बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)

तृतीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत नाटक**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA- C322	**Sanskrit Dramas**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		सकल-अर्जिताधिभार- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का ध्येय छात्रों को संस्कृत के प्रमुख नाटकों से अवगत कराना है, जो कि संस्कृत नाटकों के विकास के तीन कालों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके माध्यम से छात्र संस्कृत के प्रमुखनाटककारों के नाटक को जान सकता है तथा तत्नाटकों में वर्णित तत्कालीन संस्कृति से परिचित होता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत नाटकों से परिचित होंगे।।

CO2 इससे नाट्यगत अभिनय आदि कलाओं में निपुण होंगे।

CO3 तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि स्थितियों से अवगत होगें।

CO4 साहित्यिक विश्लेषण में सक्षम होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **स्वप्नवासवदत्तम्, अंक : 1 एवं 6**

1 स्वप्नवासवदत्तम् 1 और **6** अंक की विषय-वस्तु, अनुवाद और व्याख्या, चरित्र-चित्रण, लेखक परिचय, भास की भाषाशैली।

Unit-II **अभिज्ञानशाकुन्तलम्, अंक 4**

1 अभिज्ञानशाकुन्तलम्- लेखक-परिचय, चतुर्थ अंक की विषय-वस्तु, व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या।

2 पारिभाषिक-विश्लेषण, यथा-नान्दी,प्रस्तावना, सूत्रधार, नटी, विष्कम्भक, विदूषक, कञ्चुकी।

3 कवि की काव्यात्मक विशिष्टता, कथावस्तु, भाषाशैली।

Unit-III **प्रबोधचन्द्रोदयम्, अंक 4, 5**

1 (क) प्रबोधचन्द्रोदय के लेखक का परिचय, काल- निर्धारण तथा नाटक की विषय-वस्तु, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता ।

(ख) चतुर्थ अंक का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या। ।

2 पञ्चम-अंक का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या।

Unit-IV **संस्कृत नाटकों का समालोचनात्मक अध्ययन**

1 (क) संस्कृत नाटकः उत्पत्ति, विकास एवं स्वरूप।

(ख) प्रमुख नाटक और नाटककारों का परिचय- भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भवभूति और भट्टनारायण के विशेष सन्दर्भ में।

संस्तुत ग्रन्थ

1. सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, रामनारायण बेनीप्रसाद, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, इलाहाबाद
3.जयपाल विद्यालङ्कार, स्वप्नवासवदत्तम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. कृष्ण मिश्र- प्रबोधचन्द्रोदय,चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत नाटकों से परिचित होंगे।।	PO.3
CO2	इससे नाट्यगत अभिनय आदि कलाओं में निपुण होंगे।	PO.10
CO3	तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि स्थितियों से अवगत होगें।	PO.7, PO.4
CO4	साहित्यिक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	PO.12

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.10, PO7, PO.4, PO.312 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।